P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-9* ISSUE-4* December- 2021
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन

Study of Risky Behavior of tharu Tribe Students Studying in Higher Secondary Level

Paper Submission: 12/12/2021, Date of Acceptance: 23/12/2021, Date of Publication: 24/12/2021

गोपाल सिंह
शोधछात्र
एस0एस0 जे0 कैम्पस,
अल्मोड़ा कुमाऊँ
विश्वविद्यालय, नैनीताल,
उत्तराखंड, भारत

रिजवाना सिद्दीकी
सहायक प्रध्यापिका
एस0एस0 जे0 कैम्पस,
अल्मोड़ा शिक्षा सकांय
एस0एस0 जे0 कैम्पस,
अल्मोड़ा कुमाऊँ
विश्वविद्यालय, नैनीताल,
उत्तराखंड, भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य ऊधम सिंह नगर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का पता लगाना था। अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उच्च माध्यमिक विद्यालयो में अध्ययनरत थारू जनजाति के 150 विज्ञान वर्ग तथा 150 कला वर्ग (कुल 300) विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक न्यादर्श विधि (लाटरी विधि) से किया गया है। ऑकडो को एकत्र करनें के लिए डॉ0 सिन्हा एंव अरोरा (1982) द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। प्रदतों का विश्लेषण कर उनका प्रतिशत ज्ञात किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष में यह पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में महत्वपुर्ण अन्तर है। निष्कर्षो से यह भी पता चला कि विज्ञान वर्ग तथा कला वर्ग के विद्यार्थियों में भी महत्वपुर्ण अन्तर है।

The present research work was to find out the risky behavior of Tharu tribe students studying in higher secondary level of Udham Singh Nagar district. Keeping in view the objectives of the study, a total of 300 students from Tharu tribe studying in higher secondary schools, 150 science class and 150 arts class have been selected by simple random model method lottery method. Questionnaire prepared by Dr. Sinha and Arora 1982 was used to collect the data. Their percentage was determined by analyzing the given data. In the conclusion of the study, it was found that there is a significant difference in risky behavior of Tharu tribe students studying in higher secondary level. The findings also revealed that there is a significant difference between the students of science and arts.

मुख्य शब्द: उच्च माध्यमिक, थारू जनजाति, जोखिमपूर्ण व्यवहार।
Keywords: Higher Secondary, Tharu Tribe, Risky Behavior .

प्रस्तावना-

भारत एक प्रभुत्व सम्पन्न लोकतन्त्रात्मक गणराज्य वाला देष है। जिसमें भिन्न-भिन्न धर्मो के लोग रहते हैं। भारत एक प्रभुत्व सम्पन्न वाला गणराज्य होते हुए भी यह कई वर्गो में बॅटा हुआ है। यह समाज कई वर्गो या भागों में बॅटकर भी विभिन्न प्रकार क्रियाकलापो को करता हुआ अपना जीवन यापन कर रहा है। इन वर्गों या समुदायो का उल्लेख भारतीय संविधान में भी है। इन्हीं समाज मे एक ऐसा वर्ग भी है जो अपनी अलग विशेषताओ के कारण प्रसिद्व है, जिन्हें हम जनजाति के नाम से जानते है।

भारतीय समाज में अनेक प्रकार की जनजातियाँ दिखाई देती है। इन्हीं जनजातियों में एक अनुसूचित जनजाति थारू भी है, जो अपनी एक अलग झ्ालक लेकर के जानी जाती है। थारू जनजाति उत्तराखण्ड के नैनीताल तथा ऊधम सिंहनगर के मैदानी भागों में दिखाई देते है। थारू जनजाति के लोगों का स्वभाव काफी सरल है। इनकी एक अलग अपनी सस्ंकृति है। ये अपनी सस्ंकृति को बनाये रखने के लिए तथा अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बनाये रखने के लिए हमेषा प्रयासरत रहते है। ये अन्तःविवाही होते है। ये हिन्दु धर्म को मानने वाले होते है। थारू जनजाति के प्रमुख त्यौहारो में माघी, जितिया, दीपावली तथा होली है। दीपावली को ये लोग शोक के रूप में मनाते है।

गिलिन व गिलिन के अनुसार

स्थानीय आदिम समूहो का ऐसा संकलन जो एक सामान्य क्षेत्र में रहता है, सामान्य भाषा बोलता हैं तथा सामान्य सस्ंकृति का अनुशरण करता है।

जोखिम सामान्य एंव प्रमुख शब्दों में से एक है। मनुष्य इस संसार में पैदा हाने से लेकर मृत्यु तक जोखिम उठाता रहता है। सुबह उठने से लेकर ड्राइव करना, एक स्थान से दूसरे स्थान आदि तक जाने में हम जोखिम के कई पगो से गुजरते है। यह जोखिम ही है कि हम आज मानव सभ्यता में बहुत ही आगे की ओर बढ़ गये है।

अगर हम प्राचीन काल में जाते है, तो वहाँ के इतिहास से हमें यह मालूम होता है कि मानव का जीवन जोखिमों से ही भरा हुआ था। सफलता एंव असफलता मानव के लक्ष्य के दो पहलू है जिस पर व्यक्ति चलकर हमेषा सफल होने का प्रयास करता है। असफल हो जाने के बाद व्यक्ति दुबारा दोगुना उत्साह के साथ जोखिम उठाते हुए लक्ष्य को प्राप्त करनें का प्रयास करता है। वर्तमान समय में जोखिम लेना मानव जीवन का एक स्वभाव ही बन गया है।

किशोरावस्था वह अवस्था होती है जिसमें बालक हमेशा जोखिम लेने के लिए तैयार रहता है। जब वह तेज गति से गाडी दौडाता है, मदिरा का सेवन करता है या अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करता है, दूसरे व्यक्ति को हानि पहुँचाना यहाँ तक कि दूसरों के सामने अपने आप को श्रेष्ठ साबित करने से भी पीछे नहीं हटता है। किशोरावस्था वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति को कोई एक कारक प्रभावित नहीं करता बल्कि उसे कई कारक मिलकर के प्रभावित करते हैं।

Amy, Elkind and Ginsberg, 2006 के अनुसार - जोखिमपूर्ण व्यवहार एक ऐसा व्यवहार, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने आप को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक क्षति तथा यहाँ तक कि वह अपने आप को मृत्यु तक के लिए समर्पित कर देता है।

समस्या कथन- उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनाजाति के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययपन करना।

उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विज्ञान एंव कला वर्ग के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार अध्ययन करना।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

राइट, हेरोन, लैम्पवेल, हिकमैन ओर कीपिगं (2020) के ALSPAC समूह में अलग-अलग जोखिम की रूपरेखा के बजाय कई तरह के जोखिम लेने वाले व्यवहारों का किशोरावस्था में अध्ययन किया। अध्ययन के लिए 15-16 वर्ष आयु के 6556 किशोरों को अपने अध्ययन में शामिल किया। अध्ययन के परिणामों से पता चला कि जोखिमपूर्ण व्यवहार का तीनों वर्गों में अन्तर दिखाई दिया, और कुछ मामलों में ये व्यवहार समान भी थे।

ठुल्ल व सुदेश (2017) ने, किशोरों की शैक्षिक क्षेत्र के प्रकारों के प्रति जोखिम लेने वाले व्यवहार का अध्ययपन किया। अध्ययपन के निष्कर्षों से पता चला कि पुरूष किशोरों के जोखिम लेने का स्तर मध्यम है, तथा जोखिम लेने के व्यवहार तथा शैक्षिक स्तर के मघ्य कोई अन्तर नहीं है।

शोध प्रारूप

प्रस्तुत शोध प्रारूप में निम्नलिखित बिन्दुओं को रखा गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के 300 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। न्यादर्ष के चुनाव में सरल यादृच्छिक न्यादर्श (लॉटरी विधि) की विधि से किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में डॉ0 सिन्हा एंव अरोरा द्वारा निर्मित जोखिमपूर्ण व्यवहार प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

संख्यिकी

प्रस्तुत शोध अध्ययन में ऑकडों काविश्लेषण एंव व्याख्या कर उनकाप्रतिशत निकाला गया है।

विश्लेषण उद्देश्य

उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विध्यार्थियो के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।

परिकल्पना

उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान है।

तालिका-1

जोखिमपूर्ण व्यवहार का विभिन्न स्तरो पर विधार्थियों का प्रतिशत

जोखिमपूर्ण व्यवहार	उच्च	औसत	निम्न	योग
प्रतिशत	26.67	38.33	35	100
योग (N=300)	80	115	105	300

परिणाम की व्याख्या

उपरोक्त अध्ययन में जोखिमपूर्ण व्यवहार का मापन करने के लिए 300 विद्यार्थियों का चयन कर उनका प्रतिशत निकाला गया है। विश्लेषण से यह पता चला कि 26.67 प्रतिशत (80) विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार उच्च है। 38.33 प्रतिशत (115) विद्यार्थियों का जोखिमपुर्ण व्यवहार औसत है तथा 35 प्रतिशत (105) विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार निम्न है।

निष्कर्ष

परिणामो से प्राप्त प्रतिशत से यह पता चला है कि उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के सभी विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है क्योकि विद्यार्थियों के जोखिमपुर्ण व्यवहार का स्तर उच्च, औसत तथा निम्न है, अर्थात उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में महत्वपूर्ण अन्तर हैं। अतः परिकल्पना H_1 अस्वीकार की जाती है।

परिकल्पना उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान है।

तालिका-2
जोखिमपूर्ण व्यवहार का विभिन्न स्तरो पर विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का प्रतिशत

जोखिमपूर्ण व्यवहार	उच्च	औसत	निम्न	योग
प्रतिशत	20	46.67	33.33	100
योग (छत्र150) (विज्ञान वर्ग)	30	70	50	150

परिणाम की व्याख्या उपरोक्त अध्ययन में जोखिमपूर्ण व्यवहार का विभिन्न स्तरो पर विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का मापन करने के लिए 150 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के द्वारा कर उनका प्रतिशत निकाला गया है। अध्ययन के विश्लेषण से यह पता चला है कि 20 प्रतिशत (30) विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार उच्च, 46.67 प्रतिशत (70) विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार औसत है तथा 33.33 प्रतिशत (50) विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार निम्न हैं।

निष्कर्ष अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है । विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का स्तर उच्च, औसत तथा निम्न है, अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में महत्वपुर्ण अन्तर है। अतः परिकल्पना H_2 अस्वीकार की जाती है।

परिकल्पना उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के कला वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान है

तालिका-3
जोखिमपूर्ण व्यवहार का विभिन्न स्तरो पर कला वर्ग के विधार्थियों का प्रतिशत

जोखिमपूर्ण व्यवहार	उच्च	औसत	निम्न	योग
प्रतिशत	23.33	43.34	33.33	100
योग (छत्र150) (कला वर्ग)	35	65	50	150

परिणाम की व्याख्या उपरोक्त अध्ययन में जोखिमपूर्ण व्यवहार का विभिन्न स्तरों पर कला वर्ग के विद्यार्थियों का मापन करने के लिए 150 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के द्वारा कर उनका प्रतिशत निकाला गया है। अध्ययन के परिणामों से यह पता चला है कि 23.33 प्रतिशत (35) कला वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार उच्च, 43.34 प्रतिशत (65) कला वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार औसत तथा 33.33 प्रतिशत (50) कला वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार निम्न है।

निष्कर्ष अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के कला वर्ग के विद्यार्थियों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है । विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का स्तर उच्च, औसत तथा निम्न है, अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत थारू जनजाति के कला वर्ग के विद्यार्थियों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में महत्वपुर्ण अन्तर है। अतः परिकल्पना H_3 अस्वीकार की जाती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *महाजन एंव महाजन. (2020). जनजाति समाज का समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन, दिल्ली- P.P.-106-143A*
2. *सिंह, जी. आर. पी. (2013-14). भारतीय समाजिक व्यवस्था एंव समस्याये अग्रवाल पब्लिकेशन. च्च्ण्.106.143।*
3. *ब्राइट, कारोलिन, हेरोन, जोन, केम्पवेल, रोना, हिकमेन, मैथरोव और कीपिंग आर (2020) ने ALSPAC समूह में अलग-अलग जोखिम रूपरेखा के बजाय अनेक जोखिम लेने वाले व्यवहारो का किशोरावस्था में अध्ययन। इन्टरनेशनल जर्नल BMC पब्लिक हैल्थ च्च्ण्.1.8।*
4. *वरिष्ठ. आर. के (2012). शैक्षिक अनुसंधान एंव संख्यिकी विधियाँ, लक्ष्मी बुक P.P.-36-56A 36.56।*
5. *Dhull, Kamlesh and Sudesh (2017), A study of risk taking behavior among adolescents in relation to their type of educational stream. Electronic interdisciplinary international journal(ELLRJ) (P.P.424-431)*
6. *गुप्ता, एस. पी. (2003). सांख्यिकीय विधियाँ. शारदा पुस्लक भवन, आगरा*